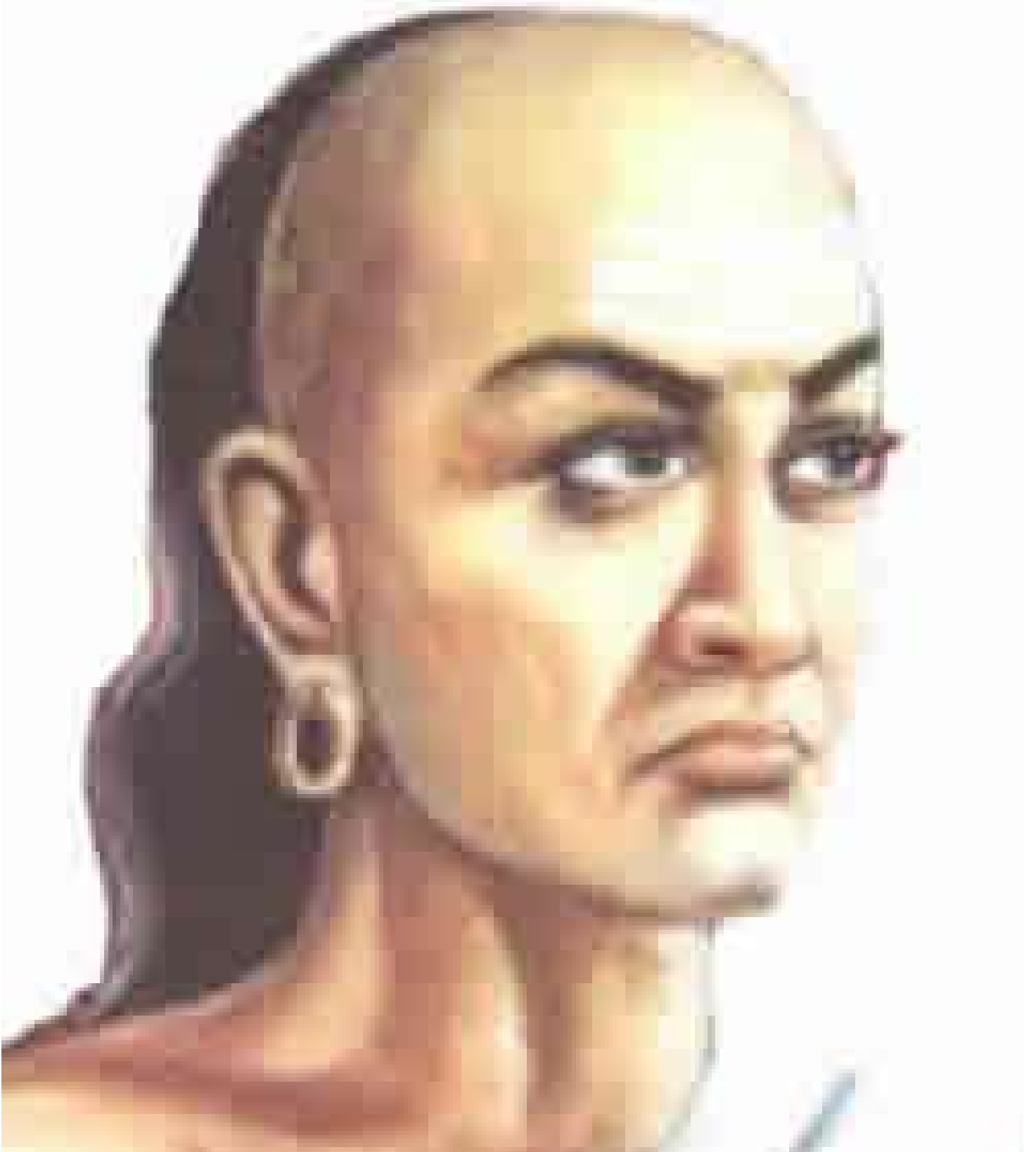
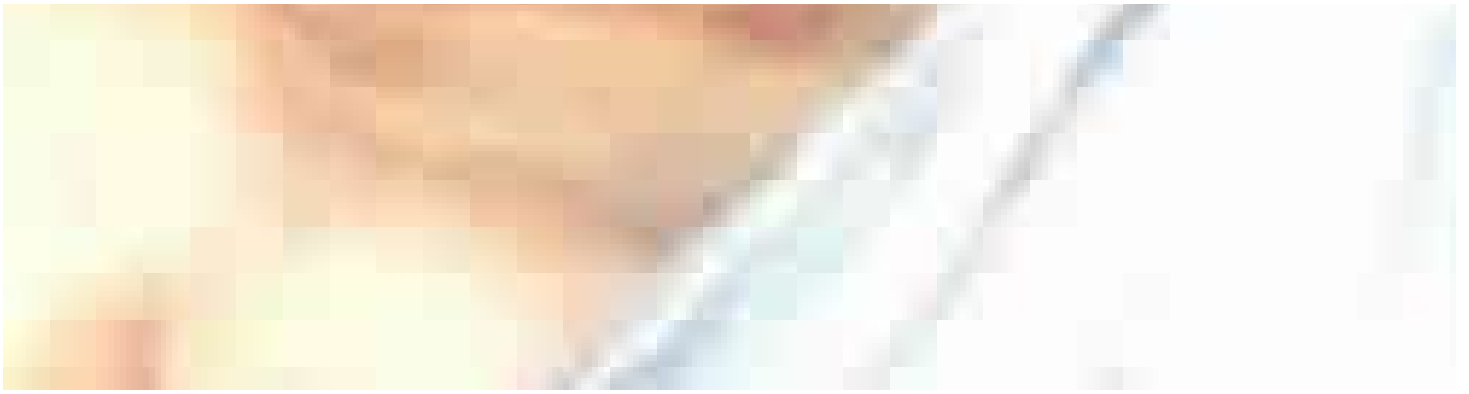


# हिंदी साहित्य मार्गदर्शन

TRANSFORMING LIVES





🏠 > Chanakya Neeti > Chanakya Quotes > Vishnugupta > आचार्य चाणक्य > चाणक्य नीति > चाणक्य सूत्र

## चाणक्य नीति [ हिंदी में ] : पन्द्रहवां अध्याय | Chanakya Neeti [In Hindi]:Fifteenth Chapter

👤 Nisheeth Ranjan 📅 11:32 AM 💬 3 comments

चाणक्य नीति : पन्द्रहवां अध्याय | Chanakya Neeti In Hindi : Fifteenth Chapter

वह व्यक्ति जिसका हृदय हर प्राणी मात्र के प्रति करुणा से पिघलता है. उसे जरूरत क्या है किसी ज्ञान की, मुक्ति की, सर के ऊपर जटाजूट रखने की और अपने शारीर पर राख मलने की.

For one whose heart melts with compassion for all creatures; what is the necessity of knowledge, liberation, matted hair on the head, and smearing the body with ashes.

इस दुनिया में वह खजाना नहीं है जो आपको आपके सदगुरु ने ज्ञान का एक अक्षर दिया उसके कर्जे से मुक्त कर सके.

There is no treasure on earth the gift of which will cancel the debt a disciple owes his guru for having taught him even a single letter ( that leads to Krishna consciousness).

काटो से और दुष्ट लोगो से बचने के दो उपाय है. पैर में जुते पहनो और उन्हें इतना शर्मसार करो की वो अपना सर उठा ना सके और आपसे दूर रहे.

There are two ways to get rid of thorns and wicked persons; using footwear in the first case and in the second shaming them so that they cannot raise their faces again thus keeping them at a distance.

जो अस्वच्छ कपडे पहनता है. जिसके दात साफ़ नहीं. जो बहोत खाता है. जो कठोर शब्द बोलता है. जो सूर्योदय के बाद उठता है. उसका कितना भी बड़ा व्यक्तित्व क्यों न हो, वह लक्ष्मी की कृपा से वंचित रह जायेगा.

He who wears unclean garments, has dirty teeth, as a glutton, speaks unkindly and sleeps after sunrise -- although he may be the greatest personality -- will lose the favour of Lakshmi.

जब व्यक्ति दौलत खोता है तो उसके मित्र, पत्नी, नौकर, सम्बन्धी उसे छोड़कर चले जाते हैं. और जब वह दौलत वापस हासिल करता है तो ये सब लौट आते हैं. इसीलिए दौलत ही सबसे अच्छा रिश्तेदार है.

He who loses his money is forsaken by his friends, his wife, his servants and his relations; yet when he regains his riches those who have forsaken him come back to him. Hence wealth is certainly the best of relations.

पाप से कमाया हुआ पैसा दस साल रह सकता है. ग्यारवे साल में वह लुप्त हो जाता है, उसकी मुद्दल के साथ.

Sinfully acquired wealth may remain for ten years; in the eleventh year it disappears with even the original stock.

एक महान आदमी जब कोई गलत काम करता है तो उसे कोई कुछ नहीं कहता. एक नीच आदमी जब कोई अच्छा काम भी करता है तो उसका धिक्कार होता है. देखिये अमृत पीना तो अच्छा है लेकिन राहू की मौत अमृत पीने से ही हुई. विष पीना नुकसानदायी है लेकिन भगवान् शंकर ने जब विष प्राशन किया तो विष उनके गले का अलंकार हो गया.

A bad action committed by a great man is not censured (as there is none that can reproach him), and a good action performed by a low-class man comes to be condemned (because none respects him). Just see: the drinking of nectar is excellent, but it became the cause of Rahu's demise; and the drinking of poison is harmful, but when Lord Shiva (who is exalted) drank it, it became an ornament to his neck (nila-kanta).

एक सच्चा भोजन वह है जो ब्राह्मण को देने के बाद शेष है. प्रेम वह सत्य है जो दुसरो को दिया जाता है. खुद से जो प्रेम होता है वह नहीं. वही बुद्धिमत्ता है जो पाप करने से रोकती है. वही दान है जो बिना दिखावे के किया जाता है.

A true meal is that which consists of the remnants left after a brahmana's meal. Love which is shown to others is true love, not that which is cherished for one's own self. to abstain from sin is true wisdom. That is an act of charity which is performed without ostentation.

यदि आदमी को परख नहीं है तो वह अनमोल रत्नों को तो पैर की धूल में पड़ा हुआ रखता है और घास को सर पर धारण करता है. ऐसा करने से रत्नों का मूल्य कम नहीं होता और घास के तिनको की महत्ता नहीं बढ़ती. जब विवेक बुद्धि वाला आदमी आता है तो हर चीज को उसकी जगह दिखाता है.

For want of discernment the most precious jewels lie in the dust at the feet of men while bits of glass are worn on their heads. But we should not imagine that the gems have sunk in value, and the bits of glass have risen in importance. When a person of critical judgement shall appear, each will be given its right position.

शास्त्रों का ज्ञान अगाध है. वो कलाएं अनंत जो हमें सीखनी चाहिये. हमारे पास समय थोड़ा है. जो सिखने के मौके हैं उसमें अनेक विघ्न आते हैं. इसीलिए वही सीखे जो अत्यंत महत्वपूर्ण है. उसी प्रकार जैसे हंस पानी छोड़कर उसमें मिला

हुआ दूध पी लेता है.

Sastric knowledge is unlimited, and the arts to be learned are many; the time we have is short, and our opportunities to learn are beset with obstacles. Therefore select for learning that which is most important, just as the swan drinks only the milk in water.

वह आदमी चंडाल है जो एक दूर से अचानक आये हुए थके मांदे अतिथि को आदर सत्कार दिए बिना रात्रि का भोजन खुद खाता है.

He is a chandala who eats his dinner without entertaining the stranger who has come to his house quite accidentally, having travelled from a long distance and is wearied.

एक व्यक्ति को चारो वेद और सभी धर्म शास्त्रों का ज्ञान है. लेकिन उसे यदि अपने आत्मा की अनुभूति नहीं हुई तो वह उसी चमचे के समान है जिसने अनेक पकवानों को हिलाया लेकिन किसी का स्वाद नहीं चखा.

One may know the four Vedas and the Dharma-sastras, yet if he has no realisation of his own spiritual self, he can be said to be like the ladle which stirs all kinds of foods but knows not the taste of any.

वह लोग धन्य है, ऊँचे उठे हुए है जिन्होंने संसार समुद्र को पार करते हुए एक सच्चे ब्राह्मण की शरण ली. उनकी शरणागति ने नौका का काम किया. वे ऐसे मुसाफिरों की तरह नहीं है जो ऐसे सामान्य जहाज पर सवार है जिसके डूबने का खतरा है.

Those blessed souls are certainly elevated who, while crossing the ocean of life, take shelter of a genuine brahmana, who is likened unto a boat. They are unlike passengers aboard an ordinary ship which runs the risk of sinking.

चन्द्रमा जो अमृत से लबालब है और जो औषधियों की देवता माना जाता है, जो अमृत के समान अमर और दैदीप्यमान है. उसका क्या हश्र होता है जब वह सूर्य के घर जाता है अर्थात दिन में दिखाई देता है. तो क्या एक सामान्य आदमी दुसरे के घर जाकर लघुता को नहीं प्राप्त होगा.

The moon, who is the abode of nectar and the presiding deity of all medicines, although immortal like amrta and resplendent in form, loses the brilliance of his rays when he repairs to the abode of the sun (day time). Therefore will not an ordinary man be made to feel inferior by going to live at the house of another.

यह मधु मक्खी जो कमल की नाजुक पंखड़ियों में बैठकर उसके मीठे मधु का पान करती थी, वह अब एक सामान्य कुटज के फूल पर अपना ताव मारती है. क्यों की वह ऐसे देश में आ गयी है जहा कमल है ही नहीं, उसे कुटज के पराग ही अच्छे लगते है.

This humble bee, who always resides among the soft petals of the lotus and drinks abundantly

its sweet nectar, is now feasting on the flower of the ordinary kutaja. Being in a strange country where the lotuses do not exist, he is considering the pollen of the kutaja to be nice.

हे भगवान् विष्णु, मेरे स्वामी, मैं ब्राह्मणों के घर में इस लिए नहीं रहती क्यों की.....

अगस्त्य ऋषि ने गुस्से में समुद्र को ( जो मेरे पिता है) पी लिया.

भृगु मुनि ने आपकी छाती पर लात मारी.

ब्राह्मणों को पढ़ने में बहोत आनंद आता है और वे मेरी जो स्पर्धक है उस सरस्वती की हरदम कृपा चाहते है.

और वे रोज कमल के फूल को जो मेरा निवास है जलाशय से निकलते है और भगवान् शिव की पूजा करते है.

(Lord Visnu asked His spouse Lakshmi why She did not care to live in the house of a brahmana, when She replied) " O Lord a rishi named Agastya drank up My father (the ocean) in anger; Brighu Muni kicked You; brahmanas pride themselves on their learning having sought the favour of My competitor Sarasvati; and lastly they pluck each day the lotus which is My abode, and therewith worship Lord Shiva. Therefore, O Lord, I fear to dwell with a brahmana and that properly.

दुनिया में बाँधने के ऐसे अनेक तरीके है जिससे व्यक्ति को प्रभाव में लाया जा सकता है और नियंत्रित किया जा सकता है. सबसे मजबूत बंधन प्रेम का है. इसका उदाहरण वह मधु मक्खी है जो लकड़ी को छेड़ सकती है लेकिन फूल की पंखुडियो को छेदना पसंद नहीं करती चाहे उसकी जान चली जाए.

There are many ways of binding by which one can be dominated and controlled in this world, but the bond of affection is the strongest. For example, take the case of the humble bee which, although expert at piercing hardened wood, becomes caught in the embrace of its beloved flowers (as the petals close at dusk).

चन्दन कट जाने पर भी अपनी महक नहीं छोड़ते. हाथी बुढ़ा होने पर भी अपनी लीला नहीं छोड़ता. गन्ना निचोड़े जाने पर भी अपनी मिठास नहीं छोड़ता. उसी प्रकार ऊँचे कुल में पैदा हुआ व्यक्ति अपने उन्नत गुणों को नहीं छोड़ता भले ही उसे कितनी भी गरीबी में क्यों ना बसर करना पड़े.

Although sandalwood be cut, it does not forsake its natural quality of fragrance; so also the elephant does not give up sportiveness though he should grow old. The sugarcane does not cease to be sweet though squeezed in a mill; so the man of noble extraction does not lose his lofty qualities, no matter how pinched he is by poverty.

चौदहवां अध्याय

सोलहवां अध्याय

**To read the translation of all the chapters of Chanakya Neeti In Hindi you can navigate to the following link which has the compilation of all the chapters in Hindi.**

# ◉ सम्पूर्ण चाणक्य नीति [ हिंदी में ] | Complete Chanakya Neeti In Hindi

Note: Some thoughts of Chanakya may be offensive to women, or to Hindus born in so called low caste. I believe in complete equality between man and woman and we detest the Hindu caste system. We have decided to publish his thoughts exactly as written by Acharya Chanakya. We apologize to women, and to anyone else, who may be offended.

Categories: Chanakya Neeti 55 Chanakya Quotes 52 Vishnugupta 3 आचार्य चाणक्य 21 चाणक्य नीति 21 चाणक्य सूत्र 23

## Next

ऐ पी जे अब्दुल कलाम के अनमोल विचार | A.P.J.

◀ Abdul Kalam Quotes In Hindi

(<http://www.hindisahityadarpan.in/2011/12/apj-abdul-kalam-quotes-hindi.html>)

## Previous

जीवन के विभिन्न पहलुओं पर महापुरुषों के अनमोल विचार | Great Thoughts By Great People About Different Aspects Of Life ▶

(<http://www.hindisahityadarpan.in/2011/12/great-thoughts-by-great-people-about.html>)

## POST A COMMENT



ALKASHRYA

1/30/2012 11:07 AM

go through this

↩ Reply



surender kaushik

10/03/2012 11:28 PM

it is the real world

↩ Reply



OMKANT

12/07/2013 1:33 PM

MAN KI LAGAN

↩ Reply

आपकी टिप्पणियाँ एवं प्रतिक्रियाएँ हमारा उत्साह बढ़ाती हैं और हमें बेहतर होने में मदद करती हैं !! अपनी प्रतिक्रियाएँ हमें बेझिझक दें !!

😊 Emoticon

Enter your comment...

Comment as:

Unknown (Google) ▼

Sign out

Publish

Preview

☐ Notify me